संपादकीय

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की की वार्षिक हिंदी पत्रिका **"प्रवाहिनी"** का 23वां अंक अपने प्रबुद्ध पाठकों को सौंपते हुए हमें अत्यन्त प्रसन्नता एवं गौरव की अनुभूति हो रही है। राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार एवं विकास को ध्यान में रखकर यह पत्रिका आप सभी के सहयोग से पिछले 22–23 वर्षों से निरंतर प्रकाशित की जा रही है। हमारे सुधी रचनाकारों ने इस अंक को उत्कृष्ट बनाने में अहम योगदान दिया है। यद्यपि निदेशक महोदय के मार्गदर्शन तथा समस्त रचनाकारों तथा आप सभी महानुभवों के सहयेाग के फलस्वरूप ही आज हम इस अंक को प्रकाशित कर पाये हैं, तथापि यह निर्णय तो आप प्रबुद्ध पाठकगण ही करेंगे कि हम अपने प्रयासों में कितने सफल हुए हैं।

प्रस्तुत अंक में संस्थान ही नहीं अपितु संस्थानेत्तर व्यक्तियों के महत्वपूर्ण एवं उपयोगी लेखों को भी शामिल किया गया है। हम उन सभी रचनाकारों का हृदय से आभार प्रकट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं जिन्होंने अपने रोचक, ज्ञानवर्धक तथा उपयोगी लेख देकर राजभाषा हिंदी का मान–सम्मान बढ़ाया है और हमें इस पत्रिका को प्रकाशित करने में सहयोग दिया है।

आपको पत्रिका कैसी लगी, अवश्य लिखें तथा इसकी साज–सज्जा व सामग्री में अपेक्षित सुधार हेतु अपने सुझावों से भी हमें अवगत कराएं।

(संपादक मंडल)